खानाबदोश जातियों को बसाना

1253. श्री हीरा लाल आर० परमार: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) खानाबदोश जातियों के व्यक्तियों की संख्या कितनी है और क्या किसी स्थाई निवास के अभाव में उनके जीवन स्तर में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं आया है; और

(ख) क्या सरकार उन्हें स्थाई रूप से बसाने की कोई कार्यवाही कर रही है और यदि हां, तो तथ्यों सहित तत्सम्बन्धी विवरण क्या है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) पिछली जनगणनाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अतिरिक्त जाति के आधार पर अलग से कोई गणना नही की गई थी ।

(ख) राज्य सरकारों / संघ शासित क्षेत्र प्रशासनों द्वारा उनके राज्य क्षेत्र कार्यक्रमों के अन्तर्गत खानाबदोश और अर्ध खानाबदोश समुदायों के शैक्षिक और आर्थिक विकास के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की गई है । इन योजनाओं मे पुनर्वास बस्तिया बसाना, छात्रवृत्तियां/वजीफे, आश्रम स्कूल बालदाड़िया, कृषि, पशुपालन, कुटीर उद्योग, मुर्गीपालन, समुदाय कल्याण केन्द्र और पीने के पानी के कुएं भी शामिल है ।

Employees of Border Road Organisation

1254. SHRI MUKUNDA MANDAL: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) how many employees are there in the Border Road Organisation;

(b) how many employees of the Border Road Organisation have been suspended or discharged from service during the last five years; year-wise and reasons thereof; and

(c) how many employees of the Border Road Organisation have been court-martialled and given sentences or are on trial?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): (a) 40,998 as on 1-8-80

(b) and (c) The details are being collected.

नेपा पेपर मिल को हुआ घाटा

1255. श्री राजेश कुमार सिंह : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नेपा पेपर मिल घाटे में चल रही है ;

(ख) गत तीन वर्षों मे वर्षवार इस मिल का कागज का उत्पादन कितना है और यह कागज किस दर पर बेचा गया था और इस मिल की उत्पादन क्षमता का कुल कितने प्रतिशत उपयोग किया गया है ,

(ग) क्या इस मिल द्वारा निर्मित किया जा रहा कागज घटिया किस्म का है ;

(घ) क्या इस मिल के अधिकारी आम तौर पर नेपानगर से बाहर भोपाल में ठहरते हैं और इस मिल में सदैव बिजली की कमी रहती है; और

(ङ) यदि हां, तो इस बारे म सरकार द्वारा क्या उपचारात्मक उपाय किये जा रहे हैं ?